इकाई - IV

14. सबसे अच्छा पेड़

प्रश्न :

1. चित्र में बच्चे क्या कर रहे हैं?
2. पेड़ का जीवन में क्या महत्व है?
3. यदि आप पौधा लगाते हैं तो आपको कैसा लगता है?

छात्रों के लिए सूचनाएँ :

1. पाठ के चित्र देखिए। चित्र के आधार पर कल्पना कीजिए कि पाठ में क्या बताया गया होगा?
2. पाठ पढ़िए। नये शब्द और वाक्य रेखांकित कीजिए।
3. नये शब्दों और वाक्यों के बारे में मित्रों से चर्चा कीजिए।
4. नये शब्दों के अर्थ शब्दकोश में ढूँढ़िए।

SCERT TELANGANA

तीन भाई थे। एक दिन सुबह के समय तीनों नए घरों की तलाश में निकल पड़े। गरम-गरम धूप में वे सड़क पर चलते चले गए। थोड़ी देर में आम का एक बड़ा पेड़ आया। उसके नीचे ठंडी छाँह थी। तीनों भाई उसके नीचे आराम करने लगे।

पेड़ के पके आम तोड़-तोड़कर वे मीठा-मीठा रस चूसने लगे। बड़े भाई ने कहा – भाई मुझे तो यही जगह पसंद है। आम के पेड़ से बढ़कर क्या हो सकता है? आम कच्चे होंगे, तो हम अचार बनाएँगे। और जब वे पक जाएँगे, तो हम मीठे-मीठे आम खाएँगे। कुछ आम हम बाद में खाने के लिए सुखाकर रख लेंगे।

पहले भाई ने आम के पेड़ के नीचे एक झोपड़ी बनाई और वह वहीं ठहर गया। लेकिन उसके भाई वहाँ नहीं ठहरे, वे आगे चल पड़े।

चलते-चलते उन्हें केले के कुछ पेड़ मिले। तभी आसमान से एक काला बादल गुज़रा। टप-टप..... पानी बरसने लगा। दोनों भाइयों ने केले का एक-एक पत्ता काट लिया, उसके साए में उन पर पानी नहीं गिरा।

SCERT TELANGANA

ज़रा देर में बादल चला गया। बारिश रुक गई।

दूसरे भाई ने कहा – बड़ी भूख लगी है।

मुझे भी – तीसरे भाई ने कहा। दोनों ने केले का एक पत्ता चीरा, उन्होंने एक-एक टुकड़े पर खाना परोसा और दोनों ने भरपेट खाना खाया। इसके बाद एक-एक केला भी खाया।

दूसरे भाई ने कहा – मैं तो यहीं घर बनाऊँगा। केले के पेड़ से अच्छा क्या होगा, बढ़िया केले खाने को मिलेंगे। उनकी सब्ज़ी बनाएँगे। कुछ केले हम बेच देंगे। उनके पैसे से हम चावल खरीद लेंगे और केले के पत्ते भी काम आएँगे।

इसीलिए दूसरे भाई ने वहीं अपनी झोपड़ी बना ली।

मगर तीसरा भाई आगे बढ़ता चला गया। चलते-चलते उसे नारियल का एक पेड़ मिला। पेड़ बड़ा लंबा और पतला था।

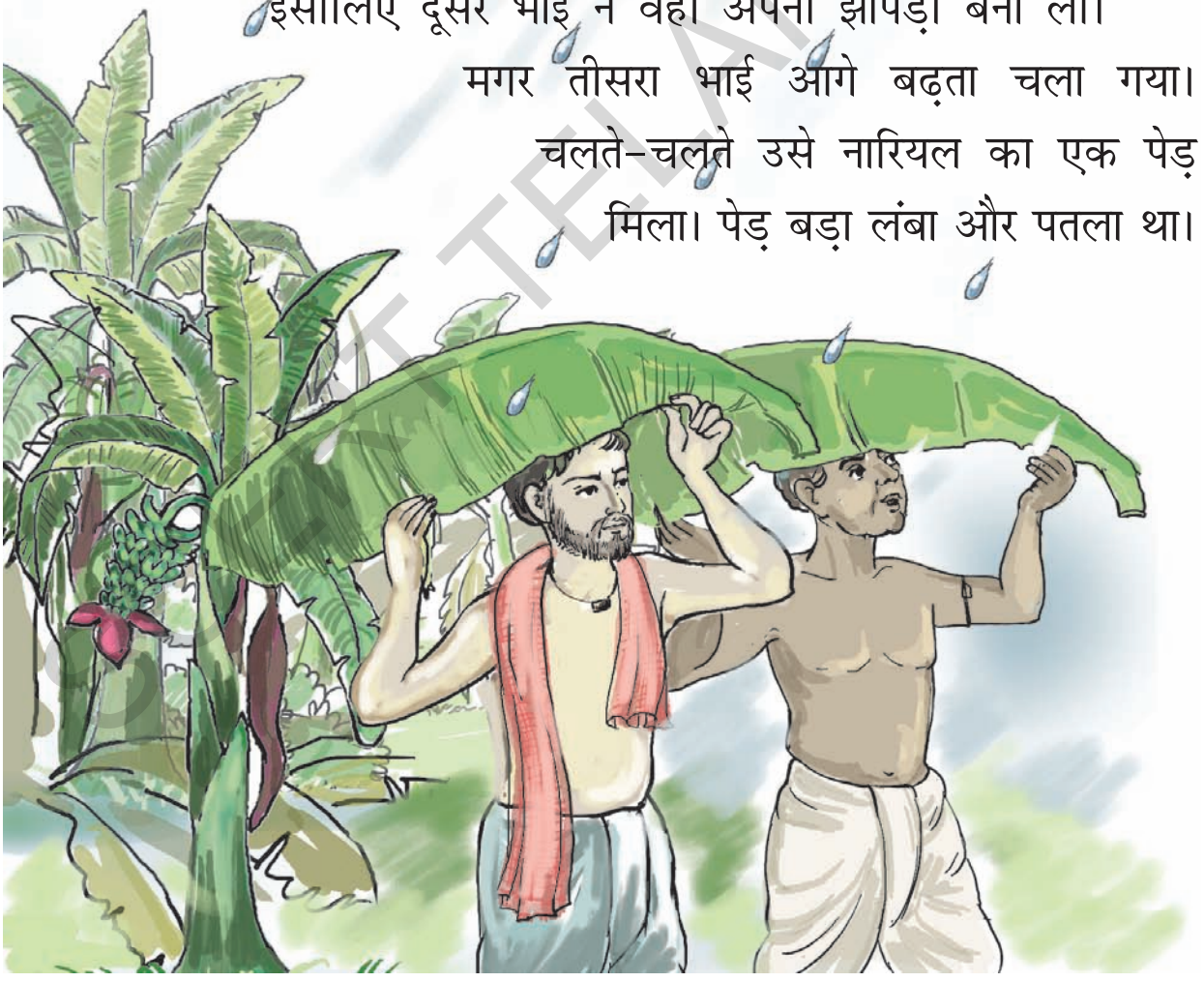

© SCERT TELANGANA

तीसरे भाई ने कहा – कैसी प्यास लगी है!

टप... एक नारियल ज़मीन पर टपक पड़ा। तीसरे भाई ने अपना चाकू निकाला। खर-खर.. नारियल की जटाएँ साफ़ हो गईं। फिर उसने नारियल के छिलके में छोटा-सा छेद किया और उसका ठंडा-मीठा पानी पीया। नारियल के पेड़ की छोटी-सी छाँह!

तीसरा भाई उसी छाँह में बैठ गया और सोचने लगा –

आम का पेड़ बहुत बढ़िया होता है और आम भी बड़ा अच्छा फल है। केले का पेड़ बड़े काम का होता है और केला खाने में अच्छा होता है।

पेड़ नीम का भी अच्छा है। उसकी दातुन बड़ी अच्छी रहती है। घर में कोई बीमार हो, तो लोग नीम की टहनियाँ दरवाज़े पर लटका देते हैं। मेरे पास नीम का पेड़ हो, तो मैं उसकी टहनियाँ बेच सकता हूँ और पेड़ मुझे ठंडी छाँह भी देगा और अगर कहीं मेरे पास रबड़ का पेड़ होता, तो मैं अपना चाकू निकाल कर पेड़ की छाल में एक लंबा चीरा लगा देता। चीरे के तले में एक प्याला रख देता। पेड़ के दूधिया रस को मैं प्याले में भर लेता। रस को पकाकर मैं रबड़ बना लेता। रबड़ मैं बेच देता। रबड़ से लोग गुब्बारे, टायर और तरह-तरह की चीज़ें बना

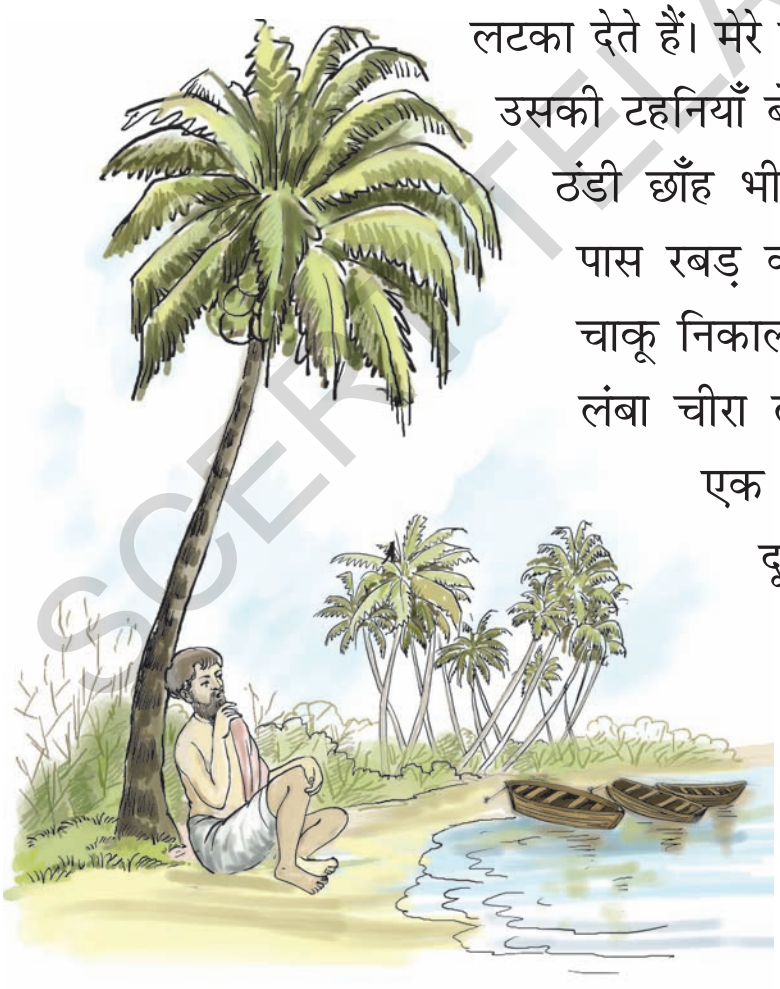

SCERT TELANGANA

लेते।

अच्छे पेड़ों की क्या कमी है! नारियल के पेड़ की ही सोचो। नारियल की जटाओं को काटकर मैं मोटी डोरियाँ बना सकता हूँ और डोरियों से मैं मज़बूत चटाइयाँ भी बना सकता हूँ। रस्सियों और चटाइयों को मैं शहर के बाज़ार में बेच सकता हूँ। मैं नारियल का पानी पी सकता हूँ। मैं नारियल की गरी खा सकता हूँ और कुछ गरी सुखाकर मैं खोपरा भी तैयार कर सकता हूँ, खोपरे को पेरकर मैं गोले का तेल निकाल सकता हूँ। गोले का तेल साबुन और कितनी ही चीज़ें बनाने के काम आता है। नारियल के छिलके को साफ़ करके कटोरे और प्याले बना सकता हूँ। ठीक तो है, मेरे लिए तो यही पेड़ सबसे अच्छा है। मैं तो इसी के नीचे घर बनाऊँगा।

इसलिए तीसरे भाई ने नारियल के तले अपनी कुटिया बनाई और मज़े से रहने लगा।

तुम्हारे लिए कौन-सा पेड़ सबसे अच्छा है?

सुनिए-बोलिए

इनमें से कौन-सी चीज़ किससे बनी है?

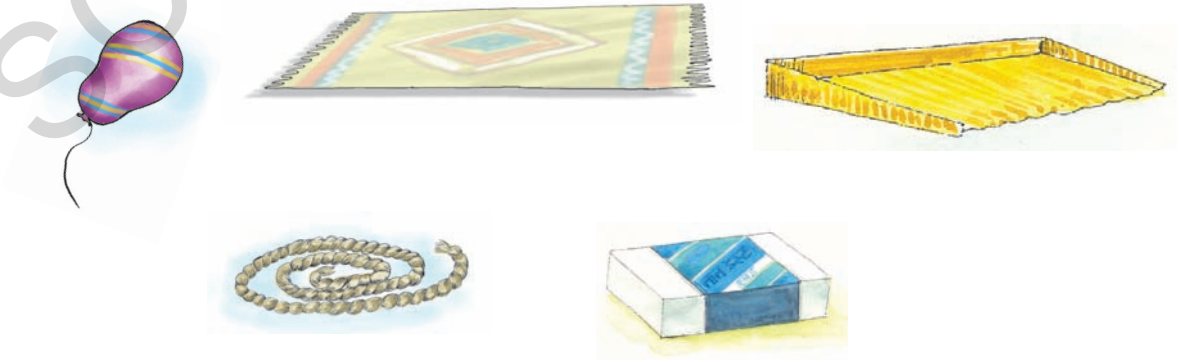

SCERT TELANGANA

1. किन फलों को छिलके के साथ नहीं खा सकते?
2. कौन-से फल हर मौसम में मिलते हैं?

पढ़िए

यहाँ कुछ पत्तियों के बारे में कुछ वाक्य दिए गए हैं। वाक्यों को सही चित्र से मिलाइए।

पत्ती पहचान पा रही हो तो उसका नाम भी लिख दीजिए।

- लंबी पतली पत्ती जो आगे से नुकीली है।
  .....
- नीचे से गोल आगे जाकर नुकीली हो जाती है।
  .....
- जिसके किनारे लहरदार हैं।
  .....
- गोल पत्ती
  .....

लिखिए

1. आम के फल का उपयोग कैसे होता है?
2. केले के पत्ते किस काम आते हैं?
3. नारियल के पेड़ से क्या-क्या लाभ हैं?

शब्द भंडार

हम दाँतों को मंजन से माँजते हैं। इसीलिए इसे मंजन कहते हैं। अब सोचिए और लिखिए इनके नाम ये क्यों हैं?

SCERT TELANGANA

तेलंगाणा राज्य सरकार द्वारा निशुल्क वितरण 2020-21

दातुन .....

छलनी .....

मथनी .....

सृजनात्मक अभिव्यक्ति

1. पाठ के आधार पर तीनों भाइयों के बीच वार्तालाप **लिखिए**।

प्रशंसा

1. पेड़ों से हमें क्या लाभ हैं? पेड़ों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए अपने विचार **लिखिए**।

भाषा की बात

तुलना कीजिए

सही जगह पर (✓) का निशान लगाइए।

	नारियल	आम	केला
सबसे घना			
सबसे ऊँचा			
चढ़ने में सबसे आसान			
सबसे मोटा तना			
सबसे बड़े पत्ते			
सबसे मीठा फल			
फल खाना सबसे आसान			

SCERT TELANGANA

परियोजना कार्य

चलिए बनाएँ बधाई कार्ड

ज़रूरी सामान : रंग-बिरंगी पेंसिल, शार्पनर (छीलनी), कार्डशीट या पोस्टकार्ड, गोंद और स्केच पैन

अपने आसपास के पेड़-पौधों से छोटी-छोटी फूल-पत्तियाँ इकट्ठी कीजिए। इन्हें किसी मोटी किताब में अलग-अलग पन्नों के बीच दबाकर रख दीजिए। एक-दो दिन बाद जब वे लगभग सूख जाएँ तो उन्हें मनचाहे काग़ज़ या कार्ड बनाकर उस पर चिपका दीजिए। चिपकाने के लिए सादा पोस्टकार्ड भी ले सकते हैं। स्केच पेन से जो भी संदेश आप लिखना दीजिए चाहते है, लिख दो।

ऐसे ही सुंदर-सुंदर कार्ड बनाकर अलग-अलग अवसरों पर अपने संगी-साथियों को भेजिए।

क्या मैं ये कर सकता/सकती हूँ?	हाँ (✓)	नहीं (×)
1. पाठ के बारे में बातचीत कर सकता/सकती हूँ। भाव बता सकता/सकती हूँ।		
2. इस तरह के पाठ पढ़कर समझ सकता/सकती हूँ।		
3. पाठ का सारांश अपने शब्दों में लिख सकता/सकती हूँ।		
4. पाठ के शब्दों से वाक्य बना सकता/सकती हूँ।		
5. पेड़ की आत्मकथा लिख सकता/सकती हूँ।		

SCERT TELANGANA

तेलंगाणा राज्य सरकार द्वारा निशुल्क वितरण 2020-21

पढ़िए - आनंद लीजिए

पत्तियों का चिड़ियाघर

पेड़ों के कपड़े हैं पत्ते
पेड़ उन्हीं को पहने रहते
पेड़ों के बस्ते में होते
खेल खिलौने सस्ते सस्ते।

पत्तों का भी है संसार
पत्तों के हैं कई प्रकार
हर पत्ते का है आकार
केले बरगद और अनार।

पत्तों को छूकर तो देखो
उनसे हाथ मिलाओ तुम
हँसी-खेल में, बातचीत में
उनको मित्र बनाओ तुम।

अखबारों की तह के भीतर
उनको नींद सुलाओ तुम
अगर नींद से जाग उठें तो
गुन-गुन गीत सुनाओ तुम।

इन सूखे पत्तों से खेलो
मिलकर इन्हें सजाओ तुम
ये सारे दिलचस्प नमूने
कागज़ पर चिपकाओ तुम।

पीपल पेट, पूँछ डंडी की
पैर कनेर के, इमली की नाक
हरी घास की लंबी मूँछ
कहीं बबूल, कहीं पे ढाक

होते हैं बेजान न पत्ते
उनकी होती खास ज़ुबान
कोई पत्ता लगता चेहरा
कोई है चोटी की शान

पेड़ों के पत्तों से बच्चो
बनता सुंदर चिड़ियाघर
सैर करो तुम आज उसी की
जल्दी आओ करो सफ़र।

अरविंद गुप्ता

SCERT TELANGANA